अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र की विभागीय बैठक – दिनांक 23/07/2022 को अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. डी.पी.कुर्रे की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में सत्र 2022–23 के लिए एम.ए. के सेमेस्टर कक्षाओं के पाठ्यक्रम में कुछ मामूली बदलाव के साथ यथावत रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में स्नातक स्तर पर सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली (CBCS Course तथा LOCF) लागू होने के कारण बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने पर चर्चा हुई।

अर्थशास्त्र अध्ययन मण्डल की बैठक – हर सत्र की भांति इस सत्र में भी दिनांक 23/07/2022 को अर्थशास्त्र अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. पी.पी. चन्द्रवंशी, प्राचार्य शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा, डॉ. सीमा अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, शासकीय कमलादेवी राठी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव उपस्थित हुए। डॉ. व्ही.के.जोशी प्राध्यापक शासकीय नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर से बैठक में ऑनलाइन उपस्थित हुए। इस बैठक में स्नातकोत्तर के सेमेस्टर पाठ्यक्रम में मामूली परिवर्तन किया गया तथा शेष पाठ्यक्रम को पूर्ववत रखा गया। बी.ए. प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर हेतु CBCS कोर्स तथा LOCF कोर्स हेतु नये पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया।

अर्थशास्त्र परिषद् का गठन : 26 नवम्बर 2022 को प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर की अध्यक्षता में तथा श्री एस. के.सिंह महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र राजनांदगांव के मुख्य आतिथ्य में अर्थशास्त्र परिषद् का गठन किया गया। इसमें एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कु. भूमिका बांगरे अर्थशास्त्र परिषद् के अध्यक्ष तथा श्री सागर सोनी उपाध्यक्ष के रूप में मनोनित हुए। अर्थशास्त्र परिषद के सचिव के रूप में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के कु. ईश्वरी शर्मा तथा सह–सचिव के रूप में कु. त्रिका मनोनित हुई।

शोधपत्र लेखन एवं प्रकाशन पर कार्यशाला : रिसर्च प्रोन्नत एवं प्रोजेक्ट समिति एवं आई.क्यू.ए.सी.कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन में एवं अर्थशास्त्र के विभागध्यक्ष डॉ. डी.पी. कुर्रे तथा डॉ. नीलू श्रीवास्तव के संयोजन में किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि अंचल के प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं भारती विश्वविद्यालय दुर्ग के माननीय कुलपति डॉ. एच.के. पाठक थे। कार्यशाला के अन्य प्रमुख वक्तागण राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकण्टक (म.प्र.) के अर्थशास्त्र के विभागध्यक्ष डॉ. विनोद सेन, शासकीय छत्तीगढ़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर के प्राध्यापक डॉ. तपेश गुप्ता तथा शासकीय व्ही. वॉय. टी. महाविद्यालय के प्राध्यपक डॉ. अभिषेक मिश्रा थे।

पी.एच.डी. कोर्स वर्क संचालित – हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के अधिसूचना के अनुसार अर्थशास्त्र विषय में सितम्बर 2022 से फरवरी 2023 तक पी.एच.डी. कोर्स वर्क की कक्षाएँ हुई। इस विशेष कोर्स वर्क में शोध छात्र के रूप में गोवर्धन जोशी शामिल हुआ। यह शोधार्थी किन्ही कारणों से पूर्व में आयोजित डी.आर.सी. में शामिल नही हो पाया था।

प्रो. अमर्त्य सेन जयंती पर विभागीय संगोष्ठी – भारत के सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं नोबल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री प्रो. अमर्त्य सेन की जयंती पर प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेरकर के निर्देशन में तथा विभागाध्यक्ष डॉ. डी. पी. कुर्रे के कुशल नेतृत्व में अमर्त्य सेन पर सारगर्भित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में प्राध्यापकों ने एवं एम.ए. के छात्रों ने प्रो. अमर्त्य सेन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार रखें।

प्रो. जे.के.मेहता की जयंती एवं व्याख्यान – 14 दिसम्बर 2022 को सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. जे.के. महेता की

Scanned with OKEN Scanner

जयंती पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. के. एल. टाण्डेकर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. जे. के. मेहता के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अर्थशास्त्र का हर विद्यार्थी प्रो0 जे0 के0 मेहता के अर्थशास्त्र की आवश्यकता विहीनता परिभाषा से परिचित है। विभागाध्यक्ष डॉ0 डी0पी0 कुर्रे ने अपने विचार व्यक्त करने हुए कहा कि राजनांदगांव के लिए गर्व की बात है कि प्रो0 जे0 के0 महेता की जन्म स्थली राजनांदगांव है। उनके आर्थिक विचार गांधी के दर्शन से प्रभावित थे।

केन्द्रीय बजट 2023–24 पर परिचर्चा – 28 फरवरी 2023 को कान्फ्रेंस हॉल में केन्द्रीय बजट 2023–24 पर परिचर्चा आयोजित की गई। इस परिचर्चा में विषय विशेषज्ञ के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 प्रहृलाद कुमार तथा नागपुर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 आर. वॉय. माहारे विशेष रूप से उपस्थित थे। इस परिचर्चा में अर्थशास्त्र विभाग प्राध्यापकगण डॉ. डी. पी. कुर्रे, डॉ. सुमीता श्रीवास्तव, डॉ. महेश श्रीवास्तव, डॉ. मीना प्रसाद ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

पर्यटन उद्योग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी– : 27 एवं 28 फरवरी 2023 को अर्थशास्त्र एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्टी का उदघाटन प्रखर प्रवक्ता तथा माननीय कुलपति प्रो. अनिल घगट, कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के मुख्य अतिथ्य में हुआ।

.....

Scanned with OKEN Scanner